लोक सभा अध्यक्ष ने चीन गणराज्य के राष्ट्रपति से मुलाकात की

नई दिल्ली 19 सितम्बर, 2014: लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने आज होटल ताज पैलेस, नई दिल्ली में चीन गणराज्य के राष्ट्रपति, महामहिम शी जिनपिंग से मुलाकात की। श्रीमती महाजन ने चीन के राष्ट्रपति से द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों, संस्कृति, युवा विकास, स्वच्छ ऊर्जा और योग जैसे विविध विषयों पर व्यापक चर्चा की।

यह टिप्पणी करते हुए कि भारत और चीन इस मायने में एक समान हैं कि यहां विश्व की सबसे प्राचीन और विकसित सभ्यताएं फली-फूली हैं, श्रीमती महाजन ने कहा कि ऐतिहासिक दृष्टि से विद्वानों, व्यापारियों और इतिहासकारों, विशेष रूप से फाह्यान और ह्यून सांग जैसे विशिष्ट यात्रियों की यात्राओं से भारत और चीन के लोगों के बीच गहरे संबंध स्थापित हुए। इस प्रकार दोनों देशों के बीच प्राचीन काल से ही व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं।

श्रीमती महाजन ने यह विचार व्यक्त किया कि द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में आज आवश्यकता इस बात की है कि मानव मूल्यों पर आधारित सांस्कृतिक और परंपरागत संबंधों को मजबूत बनाया जाए। श्रीमती महाजन ने इस बात पर भी जोर दिया कि चूंकि दोनो देशों में युवाओं की संख्या अधिक है इसलिए युवाओं के आदान-प्रदान कार्यक्रम को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। लोक सभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि युवाओं का विकास और कौशल विकास प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं जिनसे निकट भविष्य में दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध सुदृढ़ होंगे। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री द्वारा देश भर में आरंभ किए जाने वाले "मेक इन इंडिया" अभियान का उल्लेख भी किया।

महामहिम शी जिनपिंग ने चरित्र निर्माण, आध्यात्मिकता और अच्छे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में योग की भूमिका के बारे में श्रीमती महाजन के उल्लेख के प्रत्युत्तर में कहा कि चीन में योग बहुत लोकप्रिय हो रहा है और उनकी पत्नी भी योग सीख रही हैं और कर रही हैं।

श्रीमती महाजन ने चीन के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को एक माहेश्वरी स्टोल और एक मयूर हैंगिंग भेंट की। वॉल हैंगिंग को चीन में शुभ माना जाता है और यह बहुत लोकप्रिय भी है। मयूर राष्ट्रीय पहचान और संस्कृति का प्रतीक है तथा माहेश्वरी हाथ से बुना हुआ कपड़ा होता है जो भारतीय कारीगरों की उत्कृष्ट कारीगरी का शानदार नमूना है। माहेश्वर में हथकरघा बुनाई का इतिहास 1500 वर्ष पुराना है। महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने इस परंपरा का पुनरूत्थान किया। चंदेरी और माहेश्वरी वस्त्र विश्व भर में अपनी खूबसूरती, कोमलता और लाइट वेट के लिए प्रसिद्ध है। श्रीमती महाजन ने इन उपहारों का चुनाव विश्व भर के बाजारों में भारतीय और चीनी हथकरघा और हस्तशिल्प की विविधता, विशेषता और लोकप्रियता को उजागर करने के लिए बहुत रूचि से सोच-विचार कर किया।